दुलाल चंद्र कांजी

अकादेमी पुरस्कारः
वाद्य निर्माण, पश्चिम बंगाल

DULAL CHANDRA KANJI

Akademi Award:
Instrument-Making, West Bengal

पश्चिम बंगाल के 24 परगना में 8 जनवरी 1944 को जन्में, श्री दुलाल चंद्र कांजी ने अपने पहले गुरु श्री किशोरी नस्कर के साथ वाद्य–निर्माण कला की यात्रा शुरू की। तदुपरांत आप उत्कृष्ट सरोद निर्माता गुरु श्री हेमेन चंद्र सेन के साथ जुड़े, जिनके साथ आप एक कुशल शिल्पकार के रूप में 23 वर्षों तक निरंतर कार्य करते रहे।

आपने अपना पूरा जीवन सितार, इसराज, तानपुरा और सरोद जैसे वाद्यों के निर्माण में समर्पित कर दिया है। श्री दुलाल चंद्र ने 1981 में अपनी खुद की निर्माण इकाई – ओरिएंटल म्यूजिक क्राफ्ट शुरू की। अली अकबर खान, बुद्धदेव दासगुप्ता, राजीव तारानाथ, तेजेंद्र नारायण मजूमदार जैसे भारत के उत्कृष्ट सरोद कलाकारों ने संगीत वाद्यों के ज्ञान के लिए आपकी प्रशंसा की और संरक्षक रहे हैं। श्री दुलाल कांजी को सुरसिंगार के वाद्य में नवीनता लाने का श्रेय भी दिया जाता है। आपने अपने पुत्र श्री अशोक कांजी और अन्य शिष्यों को प्रशिक्षण देकर वाद्य कला की इस विरासत को आगे बढ़ाया है।

श्री दुलाल चंद्र कांजी को पश्चिम बंगाल के वाद्य–निर्माण की कला में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 8 January 1944 in 24 Parganas of West Bengal, he began his journey of manufacturing instruments with his first Guru Shri Kishori Naskar. He was then associated with the finest Sarod maker Guru Shri Hemen Sen with whom he shared a continuous relationship for 23 years as a skilled craftsman.

He has devoted his entire life to the manufacturing of musical instruments like Sitar, Esraj, Tanpura and Sarod. Shri Dulal Chandra began his own manufacturing unit – Oriental Music Craft in 1981. India's most illustrious Sarod artists like Ali Akbar Khan, Buddhadeb Dasgupta, Rajeev Taranath, Tejendra Narayan Majumdar and others have praised him for his knowledge of musical instruments and have been his patrons. Shri Dulal Kanji is also credited with innovation to the instrument of Sursingar. He has passed this heritage of instrument craftsmanship by imparting training to his son Shri Ashok Kanji and other disciples.

Shri Dulal Chandra Kanji receives the Sangeet Natak Akademi Award for 2019 for his contribution to the art of instrument-making of West Bengal.